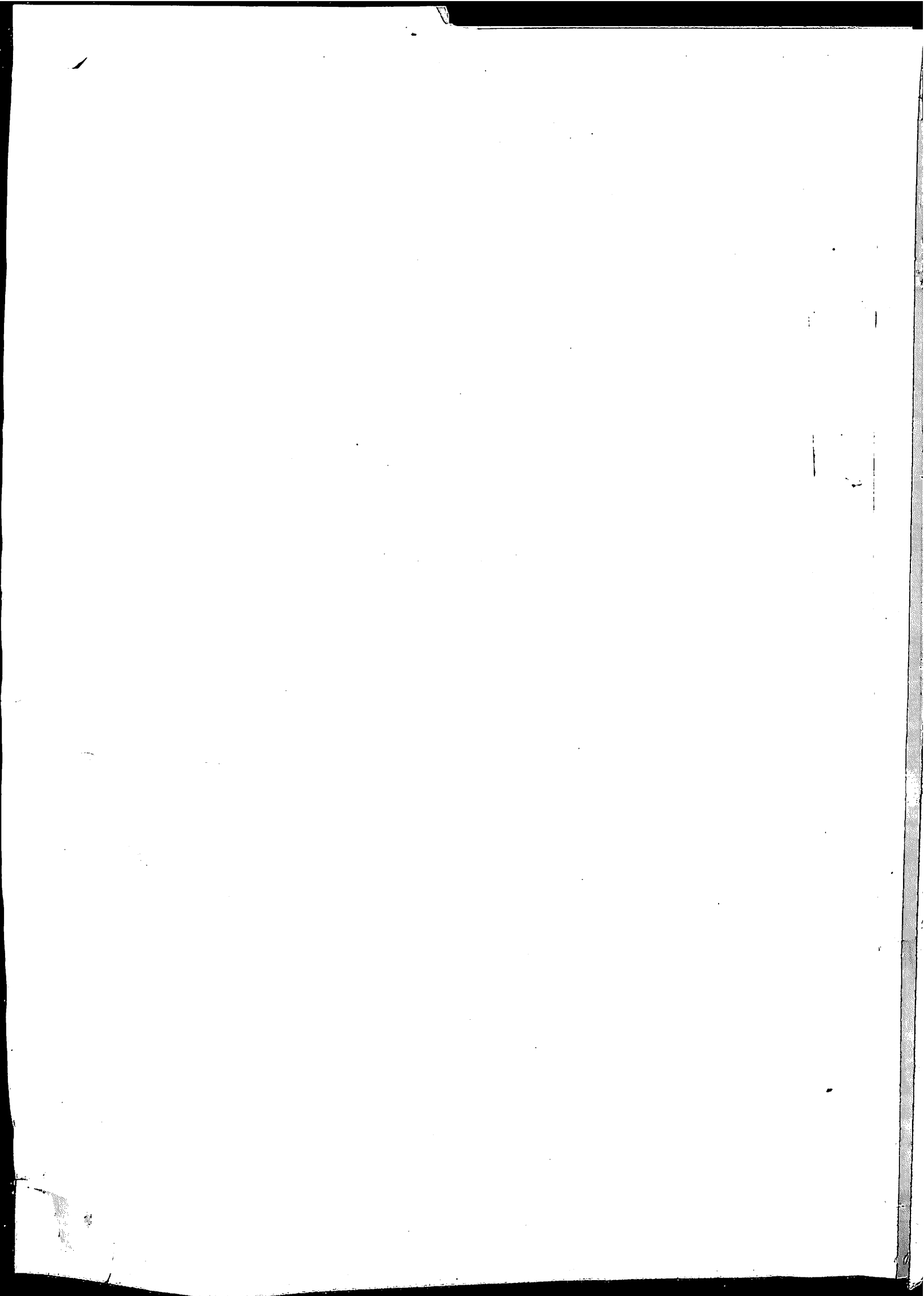






कुल पृष्ठ संख्या-24 (कवर पेज सहित)



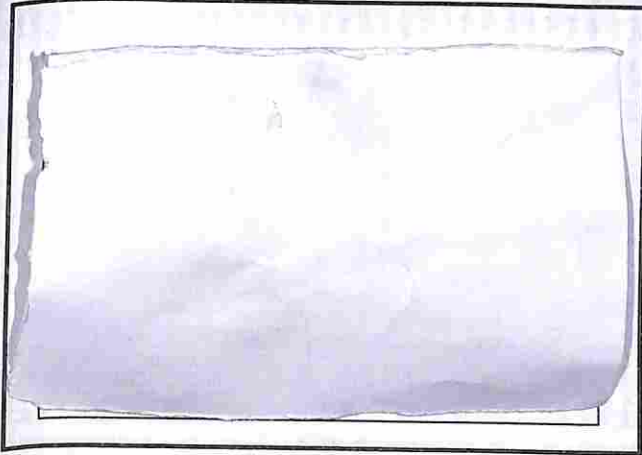
क्रम संख्या

3081916

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)



नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी ☒ अंग्रेजी ☐

विषय संस्कृत

परीक्षा का दिन शुक्रवार

दिनांक 04/04/2025

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

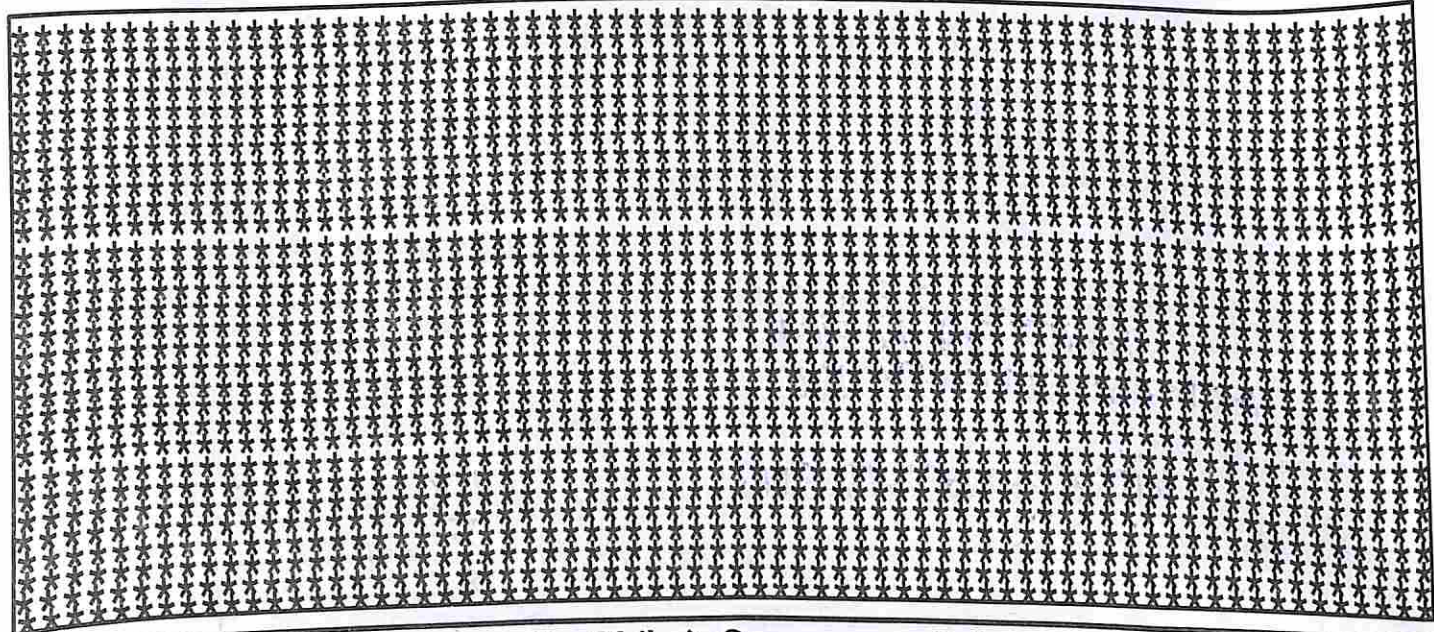
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)			
प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	17	19	3
2	5	20	
3	8	21	
4	2	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	1 1/2	28	
11	5	29	
12	5	30	
13	5	31	
14	3	योग	79 1/2
15	3	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	4	अंकों में	शब्दों में
17	4	80	अक्षर
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर AP संकेतांक 59735

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 180/2025



परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:-
 - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
 - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
 - (iii) परीक्षा-केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
 - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबल के आस-पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
 - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें। जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
6. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।
- 7.

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(खण्ड - अ)((वस्तुनिष्ठ प्रश्नानां उत्तराणि →))

①

प्रश्न

उत्तर

(i)

(ब)

(ii)

(द)

(iii)

(अ)

(iv)

(अ)

(v)

(अ)

(vi)

(अ)

(vii)

(द)

(viii)

(ब)

(ix)

(अ)

(x)

(अ)

(xi)

(द)



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक प्रश्न संख्या परीक्षार्थी उत्तर

(xii)	(अ)
(xiii)	(ब)
(xiv)	(द)
(xv)	(द)
(xvi)	(द)
(xvii)	(अ)

म

② (i) उत्तर = हसन ।

(ii) उत्तर = कृतज्ञता ।

(iii) उत्तर = युक्ता ।

(iv) उत्तर = पादध्वन्या ।

(v) उत्तर = पुष्पेषु ।

म



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(3) (क) (i)
उत्तर $\Rightarrow$ उदयसिंहस्थ ।

(ii)
उत्तर $\Rightarrow$ चैतक ।

(ख) (i)
उत्तर $\Rightarrow$ महाराणाप्रतापस्थ जन्म 1540 ख्रीस्ताब्दस्थ
मईमासस्थ नवमदिनाके मेवाडस्थप्रसिद्ध
कुम्भलगढ दुर्ग अभूत ।

(क) (ii)
उत्तर $\Rightarrow$ उत्तर $\Rightarrow$ वीरमहाराणाप्रतापस्थ ।

(घ) (i)
उत्तर $\Rightarrow$ गजः ।

(ii)
उत्तर $\Rightarrow$ अश्वः ।

(8) (iii)
उत्तर $\Rightarrow$ गजः । (रामप्रसाद नामकः गजः) ।

(5) (अ) 105 $\Rightarrow$ पञ्चाधिक शतम् ।
(ब) 150 $\Rightarrow$ पञ्चाशदधिक शतम् ।

(2)

परीक्षक द्वारा
प्रश्न अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(4) प्रश्न का उत्तर $\Rightarrow$ तृतीया विभक्ति।
अलम के योग में।

(5) प्रश्न का उत्तर $\Rightarrow$ काशां माता सूरभि आसीत् ।

(7) सप्रसंग $\Rightarrow$ यह श्लोक हमारी पाठ्यपुस्तक
शेमुषी द्वितीय भाग के सम्पादितानी
नामक पाठ से लिया गया है, यह श्लोक
मूलतः भर्तृहरि कृत नीति शतक से संकलित
है, यहाँ पर कवि कहता है कि इस
संसार में कोई भी अनुपयोगी नहीं है,
भावार्थ: $\rightarrow$

इस विचित्र संसार में कोई भी
अनुपयोगी नहीं है यदि छोडा दोड़ने में
कुशल (योग्य) है तो गधा भार ढोने
में योग्य होता है।

(8) प्रश्न का उत्तर $\Rightarrow$
(i) राजहर्सेन ।
(ii) शोभा ।
(iii) परितः ।
(iv) वक्त्रहंस्त्रेण ।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(18) (1) विद्यालयं परितः आम्र वृक्षा सन्ति ।

(2) मयूरः नृत्यति ।

(3) वयम् रामायणं पठिष्यामः ।

(4) बालकस्य मिष्टान्नं रोचते ।

(14) (क) उत्तर- चतुर्युगम् । (द्विगु) ।

(ख) उत्तर- माता च पिता च । (द्वन्द्व) ।

(ग) उत्तर- यथायाः शक्तिः । (अव्ययीभाव समास) ।

(15) (क) तदा ।

(ख) तर्हि ।

(ग) यावत् ।

(17) प्रश्न का उत्तर -

(1) अध्ययनम् ।

(2) समीचीनम् ।

(3) काठिन्यम् ।

(4) अश्लील-विषयः ।

(5) अध्यापकः ।

(6) विषयः ।

(7) स्थानान्तरणम् ।

(8) व्यवस्था ।



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(16)

प्रश्न का उत्तर ->

सैवायाम्

(i) नगरपालिकाध्यक्षः
नगरपालिका
जयनगरम्

विषयः - नगरस्य उद्याने स्वच्छता-बालक्रीडायाः
साधनानि इति क्रमे ।

महोदये !

(ii) निवेदनम् अस्ति यत् अस्माकं (iii) नगरस्य
उद्यानस्य (iv) परिक्षेत्रे स्वच्छता नास्ति । तत्र
बालक्रीडायाः क्रिडाकानि अपि न (v) सन्ति ।
क्रीडां विना अस्माकं (vi) मनांसि न शक्नुते ।
अतः (vii) कृपया स्वच्छतायाः समुचित-
व्यवस्थायां (viii) कर्मकरणं आदिशयन्तु ।

सधन्यवादम्

प्रार्थी

महेशः

बी - 3/76

पुष्पविहारम्

जयनगरम्

P. T. O.



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

- (19) प्रश्न का उत्तर - सदि क्रम में -
- (1) एकदा कश्चित् कुक्कुरः एकां शैटिकां प्राप्नोत्।
 - (2) सः शैटिकां मुखे गृहीत्वा गच्छन् आसीत्।
 - (3) तदा सः नदीजले स्वप्रतिबिम्बम् अपश्यत्। अचिन्तयत्
 - (4) स्वप्रतिबिम्बम् अन्यं कुक्कुरं मत्वा सः तस्य शैटिको प्राप्तुम्
 - (5) सा कुक्कुरः शैटिकां प्राप्तुं तेन सह युद्धाय मुखम् उद्घाटयति।
 - (6) तदा तस्य मुखात् शैटिका अपि जले पतति।

- (20) (i) संपत्तौ च विपत्तौ च महतामैकरूपता।
उदये सविता रक्तौ स्वतश्चाः तमये तथा ॥१॥

- (ii) काकः कृष्णः पिकः कृष्णः कौष्मेद पिककाक्यौ।
वसन्तं समये प्राप्ते काकः काकः पिकः पिकः ॥२॥

- (21) (क) कश्चित् _____ नोत्थितः।

(क)

उत्तर - क्षेत्रकर्षणं।

(ख)

उत्तर - वृषभः दलमुद्ध्वा गन्तुमशक्तः क्षेत्रे पषात।

(ग) (i)

उत्तर - कश्चित्।

(ii)

उत्तर - अकशीत्।

(22)

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(10)

प्रश्न का उत्तर ⇒

(शिशुलालनम्) ⇒

यह पाठ हमारी पाठ्य-
- पुस्तक शीमुषी द्वितीय भाग के शिशुलालनम्
नामक पाठ से लिया गया है यह पाठ
मूलतः दिङ्मनाग कृत कून्दमाला से संकलित
है यहाँ पर राम और उनके पुत्र
लव और कुश तीनों का संवाद है
यहाँ पर राम राजसिंहासन पर बैठे हैं
और उनके गुरु विदुषक द्वारा लव
कुश आते हैं आकर राम का वे दोनों
प्रणाम करते हैं राम उन्हें सींहासन
पर बैठ बैठने को कहते हैं परन्तु वे
दोनों नहीं बैठते हैं।
और यह आपस में तीनों का
संवाद है लव और कुश दोनों अपने
गुरु वात्सकि वताते हैं राम उनकी
माता को नाम से जानना चाहते हैं
लव अपनी माता को दो नाम बताता है
एक वधू और दुसरा देवी
और स्वतपोवन में उनके पिता का
नाम नहीं लिया जाता है।
और फिर गुरु के द्वार छोड़ने आये
हैं यह कह कर चल जाते हैं।

P. T. O.

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(12) रे रे ----- दीनं वचः।

(क)

उत्तर-गगने।

(ख)

उत्तर-वृष्टिभिः वसुधां अम्भोदाः आर्द्रयन्ति।

(ग) (i)

उत्तर-गर्जन्ति।

(ii)

उत्तर-दीनं।

(13) काकः ----- दशीत्।

(क)

उत्तर-काकः।

(ख)

उत्तर-काकः वातावरणं कर्कशास्त्रनिना भाकुलीकरोति।

(ग) (i)

उत्तर-मल्पसि

(ii)

उत्तर-कुणवर्णः।

79/2 = 80

80



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

समाप्त

BSER-1802025



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-1602/05



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-18/2025



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSHR-180/2025

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

HSER-180/2025



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-1807025



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-18/2025



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
-------------------------------	------------------	-------------------

USER-180/2025



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-IND/2025

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025



80

22

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

